License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

योना - परिचय

Translation Notes (unfoldingWord)

योना - परिचय

योना का परिचय

भाग 1: सामान्य परिचय

योना की पुस्तक की रूपरेखा

1. योना यहोवा से भागने का प्रयास करते हैं। (1:1–2:10)
   - योना, नीनवे जाने के लिए यहोवा की पहली पुकार को स्वीकार नहीं करते। (1:1–3)
   - योना अन्यजाति नाविकों के साथ जहाज पर हैं। (1:4–16)
   - यहोवा एक बड़ी मछली को योना को निगलने के लिए प्रदान करते हैं, जो प्रार्थना करता है और बच जाता है। (1:17–2:10)
2. योना नीनवे को जाते हैं। (3:1–4:11)
   - यहोवा फिर से योना को नीनवे जाने के लिए बुलाहट देते हैं, और योना यहोवा का संदेश सुनाते हैं। (3:1–4)
   - नीनवे के लोग मन फिराते हैं। (3:5–9)
   - यहोवा नीनवे को नाश न करने का निर्णय लेते हैं। (3:10)
   - योना यहोवा से बहुत क्रोधित है। (4:1–3)
   - यहोवा योना को अनुग्रह और करुणा के विषय में शिक्षा देते हैं। (4:4–11)

योना की पुस्तक किस बारे में है?

योना, अमित्तै के पुत्र, गत हेपेर के एक गांव के एक भविष्यद्वक्ता थे, जो इस्राएल के उत्तरी राज्य में था (2 राजाओं 14:25)। यह पुस्तक योना के साथ क्या हुआ, इसके बारे में बताती है। यह दर्शाती है कि यहोवा कैसे अन्यजातियों पर करुणा और अनुग्रह दिखाते हैं। वह यह भी बताती है कि कैसे नीनवे के लोगों ने मन फिराया और करुणा के लिए यहोवा को पुकारा। (देखें: करुणा, अनुग्रह और मन फिराना)

यहोवा ने योना को नीनवे के लोगों को चेतावनी देने के लिए भेजा कि वह उन्हें दण्ड देने के लिए तैयार थे। यहोवा ने कहा कि अगर वे मन फिराएंगे तो वह उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाएंगे। हालांकि, योना एक इस्राएली था, और वह नहीं चाहता था कि नीनवे के लोग मन फिराएं और दण्ड से बच जाएं। इसलिए योना ने यहोवा के कहे अनुसार न करके विपरीत दिशा में भाग जाने की कोशिश की, लेकिन यहोवा ने उसे एक तूफान और एक बड़ी मछली जो उसे निगल गई भेजकर रोक दिया।

योना ने मन फिराया और नीनवे के लोगों को चेतावनी दी। परिणामस्वरूप, यहोवा ने उसे सिखाया कि वह सभी लोगों की चिंता करते हैं, न कि सिर्फ इस्राएलियों की।

इस पुस्तक के शीर्षक का अनुवाद कैसे किया जाना चाहिए?

इस पुस्तक का पारंपरिक शीर्षक "योना की पुस्तक" या केवल "योना" है। अनुवादक एक स्पष्ट शीर्षक का चयन कर सकते हैं जैसे "योना के बारे में पुस्तक।" (देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें)

योना की पुस्तक किसने लिखी है?

संभवतः योना इस पुस्तक के लेखन में शामिल थे। हालांकि, विद्वानों को यह नहीं पता कि इसे वास्तव में किसने लिखा।

योना इस्राएल के उत्तरी राज्य में रहते थे, इस्राएल के राजा यारोबाम द्वितीय के शासनकाल के दौरान या उससे पहले। उन्होंने संभवतः 800 और 750 ईसा पूर्व के बीच कभी भविष्यद्वाणी की थी।

भाग 2: महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक अवधारणाएँ

अश्शूर का देश क्या था?

योना के समय में, अश्शूर प्राचीन पश्चिमी एशिया का सबसे शक्तिशाली राज्य था। नीनवे अश्शूर की राजधानी थी।

अश्शूर अपने शत्रुओं के प्रति क्रूर थे। अंततः, यहोवा ने अश्शूरियों को उनके द्वारा किए गए दुष्ट कार्यों के लिए दण्डित किया।

क्या अश्शूर यहूदी धर्म में परिवर्तित हुए?

कुछ विद्वानों का मानना है कि अश्शूरियों ने केवल यहोवा की आराधना शुरू की। हालांकि, अधिकांश विद्वानों का मानना है कि उन्होंने अन्य झूठे देवताओं की आराधना जारी रखा, संभवतः यहोवा की आराधना के एक संक्षिप्त समय के बाद। (देखें: झूठे देवता)

योना - अध्याय 1 परिचय

योना 1 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और स्वरूपण

इस अध्याय की कथा अचानक शुरू होती है। यह किसी भविष्यद्वाणी वाली पुस्तक के आरंभ का एक विशिष्ट तरीका है। अनुवादक को इस परिचय को सहज बनाने के लिए अतिरिक्त जानकारी नहीं जोड़नी चाहिए, लेकिन पहले पद को कई वाक्यों में परिवर्तित किया जा सकता है ताकि एक अधिक स्वाभाविक शुरुआत हो सके। आई.आर.वि. देखें।

इस अध्याय की मुख्य अवधारणाएँ

चमत्कार

पद 1:17 में "एक महा मच्छ" का उल्लेख है। एक समुद्री जीव की कल्पना करना कठिन हो सकता है जो एक पुरुष को पूरा निगल सके, और हम नहीं जानते कि यह किस प्रकार का जीव था। योना फिर तीन दिन और रात मछली के अंदर जीवित रहते हैं। यह कुछ ऐसा है जो परमेश्वर द्वारा संभव हैं। अनुवादकों को चमत्कारी घटनाओं को समझाने के प्रयास में उन्हें आसान करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। (देखें: चमत्कार)

इस अध्याय में प्रमुख अलंकार

स्थितिपरक विडंबना

इस अध्याय में एक विडंबनापूर्ण स्थिति है। इसका अर्थ है कि लोग ऐसी बातें या व्यवहार करते हैं जो उनसे अपेक्षा किए गए व्यवहार से विपरीत होती हैं। योना परमेश्वर के भविष्यद्वक्ता हैं, और इस प्रकार, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे परमेश्वर की इच्छा पूरी करने का प्रयास करेंगे। इसके विपरीत, वे परमेश्वर से दूर भागते हैं। यद्यपि गैर-यहूदी नाविक इस्राएली नहीं थे, फिर भी उन्होंने यहोवा के प्रति विश्वास और भय के कारण ऐसा किया जब उन्होंने योना को जहाज से नीचे फेंककर लगभग निश्चित मृत्यु की ओर भेज दिया। (देखें: विडंबना, भविष्यद्वक्ता और परमेश्वर की इच्छा और विश्वास)

सागर

प्राचीन पश्चिमी एशिया के लोग समुद्र को अराजक मानते थे, और वे उस पर भरोसा नहीं करते थे। जिन देवताओं की वे पूजा करते थे, उनमें से कुछ समुद्र के देवता थे। योना के लोग, अर्थात इब्री लोग, समुद्र से बहुत डरते थे। हालाँकि, योना का समुद्र से भय उसे जहाज़ पर सवार होकर यहोवा की आज्ञा मानने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था। (देखें: भय)

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद चुनौतियाँ

अंतर्निहित जानकारी

हालांकि कोई नहीं जानता कि तर्शीश कहाँ था, लेखक मानते हैं कि पाठक जानते हैं कि योना को वहाँ जाने के लिए नीनवे से मुंह मोड़ना पड़ा। (देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी)

योना 1:1 (#1)

"यहोवा यह वचन" - "पहुँचा"

यह वाक्यांश योना की कहानी के पहले भाग का परिचय देता है। वही वाक्यांश कहानी के दूसरे भाग (3:1) का परिचय देता है। यह एक भविष्यद्वक्ता के बारे में एक ऐतिहासिक कहानी की शुरुआत करने का यह एक सामान्य तरीका है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

योना 1:1 (#2)

"यहोवा यह वचन" - "पहुँचा"

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि यहोवा ने किसी तरह से अपने संदेश को बोला या संवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: ""यहोवा ने अपना संदेश बोला""

देखें: मुहावरा

योना 1:1 (#3)

"यहोवा यह वचन"

यहोवा का संदेश

योना 1:1 (#4)

"यहोवा"

यह परमेश्वर का नाम है जो उसने पुराने नियम में अपनी प्रजा पर प्रकट किया।

योना 1:1 (#5)

"अमित्तै के"

यह योना के पिता का नाम है । (देखें :[[rc://hi/ta/man/translate/translate-names]])

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

योना 1:2 (#1)

"उठकर उस बड़े नगर नीनवे को जा"

बड़े और महत्वपूर्ण शहर नीनवे को जा

योना 1:2 (#2)

"उठकर"

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि योना को इसे कार्य में लाना और जाना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं है कि जब परमेश्वर ने उससे बात की तब वह लेटा एवं बैठा हुआ था। कई भाषाएँ केवल एक क्रिया का उपयोग करती हैं, जैसे ""जा""।

देखें: मुहावरा

योना 1:2 (#3)

"और उसके विरुद्ध प्रचार कर"

"यहाँ शब्द **उसकी** का अर्थ है नीनवे शहर, शहर के भीतर और इसके आसपास रहने वाले लोगों के लिए रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""लोगों को चेतावनी दें""

देखें: प्रतिन्यास

योना 1:2 (#4)

"उसकी बुराई मेरी दृष्टि में आ चुकी है"

मुझे पता है कि वे लगातार पाप कर रहे हैं या **मुझे पता है कि उनकी बुराई निरंतर बढ़ती जा रही है**

योना 1:2 (#5)

""

यह एक अभिव्यक्ति है जो यहोवा के सम्मुख उसकी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करने के लिए संदर्भित करती है। यहोवा के सम्मुख विचार में उसका ज्ञान, ध्यान, विशेष देख-रेख या न्याय भी सम्मिलित है। यहोवा कह रहा है कि उसने देखा है कि नीनवे के लोग कितने दुष्ट हो गए हैं।

देखें: प्रतिन्यास

योना 1:2 (#1)

"उठकर उस बड़े नगर नीनवे को जा, और उसके विरुद्ध प्रचार कर; क्योंकि उसकी बुराई मेरी दृष्टि में आ चुकी है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं क्योंकि पद का दूसरा भाग उस परिणाम का कारण देता है जिसे पहला भाग वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नीनवे की बुराई मेरी दृष्टि में आ चुकी है। इसलिए, उठकर, उस बड़े नगर को जा, और उसके विरुद्ध प्रचार कर"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

योना 1:2 (#6)

"उसकी बुराई मेरी दृष्टि में आ चुकी है"

यदि आपकी भाषा में **बुराई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने देखा है कि वे कितने दुष्ट हो गए हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

योना 1:3 (#1)

"परन्तु योना" - "भाग जाने के लिये उठा"

"यहाँ शब्द **उठ** का अर्थ है कि योना ने परमेश्वर की आज्ञा की प्रतिक्रिया में कार्यवाही की, लेकिन उसकी कार्यवाही आज्ञा मानने के बजाय अवज्ञा करना था। देखें कि आपने 1:2 में इस मुहावरे का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: ""लेकिन योना भाग गया""

देखें: मुहावरा

योना 1:3 (#2)

"यहोवा के सम्मुख से"

"यह एक अभिव्यक्ति है जो यहोवा के सम्मुख उसकी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करने के लिए संदर्भित करती है। यहोवा के सम्मुख के विचार में उसका ज्ञान, ध्यान, खास देख-रेख या न्याय भी सम्मिलित है। दूर भागने से, योना आशा कर रहा है कि यहोवा इस बात पर ध्यान नहीं देगा कि वह अवज्ञा कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यहोवा की उपस्थिति से"" या ""यहोवा से""

देखें: रूपक

योना 1:3 (#3)

"तर्शीश को भाग जाने के लिये"

"**तर्शीश को भाग जाना**। तर्शीश नाम का यह शहर नीनवे से विपरीत दिशा में था। इसे स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और विपरीत दिशा में चला गया, दूर तर्शीश की ओर""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 1:3 (#4)

"और याफा नगर को जाकर"

योना याफा नगर को गया

योना 1:3 (#5)

"एक जहाज"

एक **जहाज** एक विशाल नाव है जो समुद्र में यात्रा कर सकती है और कई यात्रियों या भारी माल को ले जा सकती है।

योना 1:3 (#6)

"और भाड़ा देकर"

योना ने यात्रा के लिए भाड़ा दिया

योना 1:3 (#7)

"उस पर चढ़ गया"

जहाज पर चढ़ गया

योना 1:3 (#8)

"उनके साथ"

शब्द **उन्हें** दूसरों को संदर्भित करता है जो जहाज पर जा रहे थे।

योना 1:3 (#9)

"यहोवा के सम्मुख से"

"यह एक अभिव्यक्ति है जो यहोवा के सम्मुख उसकी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करने के लिए संदर्भित करती है। यहोवा के सम्मुख विचार में उसका ज्ञान, ध्यान, खास देख-रेख या न्याय भी सम्मिलित है। दूर भागने से, योना आशा कर रहा है कि यहोवा इस बात पर ध्यान नहीं देगा कि वह अवज्ञा कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यहोवा की उपस्थिति से"" या ""यहोवा से""

देखें: रूपक

योना 1:4 (#1)

"तब यहोवा ने समुद्र में एक प्रचण्ड आँधी चलाई"

यह खंड योना के भाग जाने के कारण यहोवा की प्रतिक्रिया की नई घटना का परिचय देता है। इसका अनुवाद करें ताकि आपके पाठकों को पता चले कि यह घटना कहानी में बदलाव को लाती है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

योना 1:4 (#2)

"यहाँ तक कि जहाज टूटने पर था"

यहाँ शब्द **सोच** जहाज का वर्णन करता है जैसे कि वह एक व्यक्ति था। इसका अर्थ है कि तूफ़ान इतना भीषण था कि जहाज टूटने के करीब था। वैकल्पिक अनुवाद: **यहाँ तक कि जहाज लगभग टूटने पर था**

देखें: व्यक्तित्व

योना 1:4 (#3)

"टूटने"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""टूटने को""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

योना 1:5 (#1)

"मल्लाह लोग"

जहाज पर काम करने वाले पुरुष

योना 1:5 (#2)

"अपने-अपने देवता"

यहाँ **देवता** झूठे देवताओं और मूर्तियों को संदर्भित करता है जिनकी लोग पूजा करते हैं।

योना 1:5 (#3)

"और जहाज में जो व्यापार की सामग्री थी" - "फेंकने लगे"

लोगों ने जहाज से भारी सामान फेंक दिया। ऐसा करने से, उन्हें आशा थी कि जहाज डूबने से बच जाएगा।

योना 1:5 (#4)

"जहाज हलका हो जाए। परन्तु"

इसका अर्थ 1) जहाज को हल्का करना ताकि यह उत्तम रीति से चले। वैकल्पिक अनुवाद: **जहाज को उत्तम रीति से चलाने के लिए** या 2) खतरे को कम करने के लिए। वैकल्पिक अनुवाद : **उस खतरे को कम करने के लिए जिसमें वे थे**

योना 1:5 (#5)

"योना जहाज के निचले भाग में उतरकर"

यह पृष्ठभूमि की जानकारी है। इस तरह से अनुवाद करें कि यह स्पष्ट हो कि योना ने तूफान आने से पहले ही ऐसा कर लिया था।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

योना 1:5 (#6)

"जहाज के निचले भाग"

जहाज के निचले भाग में

योना 1:5 (#7)

"वहाँ लेटकर सो गया, और गहरी नींद में पड़ा हुआ था"

और वहाँ गहरी नींद में सो रहा था या **और वहाँ लेटा हुआ था और गहरी नींद में सो रहा था**। इस कारण, तूफान से वह नहीं उठा।

योना 1:6 (#1)

"तब माँझी उसके निकट आकर कहने लगा"

जहाज पर काम करने वाले पुरुषों के कप्तान ने योना के पास जाकर कहा

योना 1:6 (#2)

"तू भारी नींद में पड़ा हुआ क्या करता है"

"**तू क्यों सो रहा है?** यहाँ कप्तान योना को डाँटने के लिए एक भाषणागत् प्रश्न का उपयोग करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""नींद से उठ!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

योना 1:6 (#3)

"उठ"

यह कुछ गतिविधि करने के लिए एक आदेश है जिसे इस शब्द का नाम दिया गया है। देखें कि आपने इस मुहावरे का 1:2 और 1:3 में कैसे अनुवाद किया। इस पद में, कप्तान, योना को अपने देवता से प्रार्थना करने के लिए कह रहा है। क्योंकि योना लेटा हुआ था, कप्तान भी योना को वास्तव में उठ खड़े होने के लिए कह रहा होगा।

देखें: मुहावरा

योना 1:6 (#4)

"अपने देवता की दुहाई दे"

अपने देवता से प्रार्थना कर! दुहाई दे अर्थ किसी से मदद के लिए ज़ोर से पुकारना।

देखें: मुहावरा

योना 1:6 (#5)

"संभव है परमेश्वर हमारी चिंता करे, हमारा नाश न हो"

"हो सकता है कि योना का देवता उन्हें बचाए इस अस्पष्ट जानकारी को स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""शायद तेरा देवता हमारी सुने और हमें बचाए ताकि हम नाश न हो""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 1:6 (#6)

"हमारा नाश न हो"

"इसे सकारात्मक कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और वह हमें बचाएगा""

देखें: दोहरे नकारात्मक

योना 1:7 (#1)

"तब मल्लाहों ने आपस में कहा"

"वाक्यांश **प्रत्येक आदमी ... अपने दोस्त के लिए** पारस्परिक कार्यवाही को व्यक्त करने वाला एक मुहावरा है। इसका अर्थ है कि समूह के सभी पुरुष एक-दूसरे से ऐसा कह रहे थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""नाविकों ने एक दूसरे से कहा""

योना 1:7 (#2)

"आओ, हम चिट्ठी डालकर जान लें कि यह विपत्ति हम पर किस के कारण पड़ी है"

यह जानने के लिए कि यह विपत्ति हम पर किसके कारण पड़ी है हमें चिट्ठी डालनी चाहिए । पुरुषों का ऐसा मानना था कि चिट्ठी किसके नाम की होगी यह देवता निर्णय करेंगे उन्हें यह बताने के लिए जो वह जानना चाहते हैं । यह एक प्रकार का शकुन-विचार था।

योना 1:7 (#3)

"यह विपत्ति"

यह भयानक तूफान को संदर्भित करता है।

योना 1:7 (#4)

"और चिट्ठी योना के पर निकली"

"अभिव्यक्ति "" चिट्ठी योना के नाम पर निकली"" एक मुहावरा जिसका अर्थ है कि, जब पुरुषों ने चिट्ठी डाली, तो परिणाम ने योना की ओर इशारा दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि चिट्ठी योना के ठीक ऊपर गिरी । वैकल्पिक अनुवाद: ""चिट्ठी ने इस बात को दिखाया कि योना दोषी था""

योना 1:7 (#2)

"आओ, हम चिट्ठी डालकर"

यहाँ, **आओ** एक मुहावरा है जो सुनने वाले को वक्ता के साथ एक कार्य शुरू करने के लिए आमंत्रित करता है, जिसे वक्ता अगले भाग में बताता है। यदि **आओ** का आपकी भाषा में वह अर्थ नहीं है, तो आप अपनी भाषा से ऐसा कोई मुहावरा इस्तेमाल कर सकते हैं जिसका वही अर्थ हो, या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं, या शब्द को छोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुनो! हमें चिट्ठी डालनी चाहिए" या "हमें यह करना चाहिए: चिट्ठी डालें"

देखें: मुहावरा

योना 1:7 (#3)

"आओ, हम चिट्ठी डालकर"

हम नहीं जानते कि मल्लाहों ने चिट्ठी डालने के लिए कौन सी सटीक विधि का उपयोग किया था। यह चिह्नित पत्थरों या लकड़ी के टुकड़ों के साथ हो सकता है। यह उनके प्रश्न का उत्तर पाने के लिए परमेश्वर से संपर्क करने की एक विधि थी। यदि आपकी भाषा में प्रश्न का उत्तर पाने के लिए चिट्ठी डालने का कोई नाम है, तो उसको यहाँ उपयोग करने पर विचार करें।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

योना 1:8 (#1)

"तब उन्होंने उससे कहा"

तब जहाज पर काम कर रहे पुरुषों ने योना से कहा

योना 1:8 (#2)

"हमें बता कि किस के कारण यह विपत्ति हम पर पड़ी है"

किसके कारण यह विपत्ति हम पर पड़ी है?

योना 1:9 (#1)

"स्वर्ग का परमेश्वर यहोवा" - "भय मानता हूँ"

यहाँ शब्द ** भय ** का अर्थ है कि योना यहोवा की आराधना करता था और किसी अन्य देवता की नहीं।

योना 1:10 (#1)

"तब वे बहुत डर गए"

तब वे आदमी बहुत डर गए

योना 1:10 (#2)

"तूने यह क्या किया है"

"जहाज पर उपस्थित लोग यह दिखाने के लिए एक भाषणगत् भरे प्रश्न का इस्तेमाल करते हैं कि वे योना के कारण कितना भयभीत और क्रोधित थे, जिसने उन सभी के लिए बड़ी परेशानी खड़ी की I वैकल्पिक अनुवाद: ""तूने दिल दहलाने वाला काम किया है!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

योना 1:10 (#3)

"यहोवा के सम्मुख से"

"यह एक अभिव्यक्ति है जो यहोवा के सम्मुख उसकी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करने के लिए संदर्भित करती है। यहोवा के सम्मुख विचार में उसका ज्ञान, ध्यान, खास देख-रेख या न्याय भी सम्मिलित है। दूर भागने से, योना आशा कर रहा है कि यहोवा इस बात पर ध्यान नहीं देगा कि वह अवज्ञा कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यहोवा की उपस्थिति से"" या ""यहोवा से""

देखें: रूपक

योना 1:10 (#4)

"उसने आप ही उनको बता दिया था"

नाविकों द्वारा चिट्ठी डाले जाने से पहले, योना ने उन्हें पहले ही बता दिया था कि वह यहोवा की उपासना करता था I

देखें: जोड़ें — पृष्ठभूमि जानकारी

योना 1:10 (#5)

"उसने आप ही उनको बता दिया था"

जो उसने उन्हें बताया, वह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि उसने उनसे कह दिया था कि मैं यहोवा के सम्मुख से भागने की कोशिश कर रहा हूँ I”

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 1:10 (#5)

"वे जान गए थे कि वह यहोवा के सम्मुख से भाग आया है, क्योंकि उसने आप ही उनको बता दिया था"

योना ने मल्लाहों को बताया कि **वह यहोवा के सम्मुख से भाग आया है**, इससे पहले कि वे **बहुत डर जाएँ**। अगर आपकी भाषा में घटना के क्रम में जानकारी देना ज़्यादा स्वाभाविक है, तो आप इस वाक्य को दूसरे वाक्य से पहले रखकर इसका अनुवाद इस प्रकार कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "योना ने उन लोगों से कहा कि वह यहोवा के सम्मुख से भाग आया है"

देखें: सूचना संरचना

योना 1:11 (#1)

"तब उन्होंने उससे पूछा"

तब जहाज पर उपस्थित लोगों ने योना से कहा या **तब नाविकों ने योना से कहा**

योना 1:11 (#2)

"हम तेरे साथ क्या करें जिससे समुद्र शान्त हो जाए"

समुद्र को शान्त करने के लिए हमें तेरे साथ क्या करना चाहिए?

योना 1:11 (#3)

"समुद्र की लहरें बढ़ती ही जाती थीं"

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि समुद्र की तूफानी लहरें बढ़ती ही जाती थी I वैकल्पिक अनुवाद: ""तूफान की प्रचण्डता बढ़ती जा रही थी""

देखें: मुहावरा

योना 1:11 (#4)

"समुद्र की लहरें बढ़ती ही जाती थीं"

"यही कारण था कि पुरुषों ने योना से पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए। यदि परिणाम से पहले कारण बताने के लिए आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट है, तो ""इसलिए"" या “इस तरह” जैसे शब्द परिणाम के साथ जोड़कर, वचन 11 की शुरुआत में कहा जा सकता है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

योना 1:12 (#1)

"क्योंकि मैं जानता हूँ, कि यह भारी आँधी तुम्हारे ऊपर मेरे ही कारण आई है"

क्योंकि मुझे पता है कि यह भयंकर तूफान मेरे ही कारण है

योना 1:12 (#2)

"तब समुद्र शान्त पड़ जाएगा"

देखें कि आपने **शान्त पड़ जाएगा** को पद 11 में कैसे अनुवादित किया था।

देखें: मुहावरा

योना 1:13 (#1)

"तो भी वे बड़े यत्न से खेते रहे किनारे लगाएँ"

पुरुष योना को समुद्र में नहीं फेंकना चाहते थे, इसलिए उन्होंने ऐसा नहीं किया जैसा योना ने सुझाया था। यह जानकारी स्पष्ट की जा सकती है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 1:13 (#2)

"समुद्र लहरें" - **"बढ़ती ही जाती थीं"**

तूफान भयंकर हो गया, और लहरें प्रचण्ड हो गईं देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद वचन 11 में कैसे किया है ।

योना 1:14 (#1)

"तब उन्होंने" - **"पुकारकर कहा, "हे"**

इस कारण उन्होंने पुकारा या **क्योंकि समुद्र और अधिक हिंसक हो गया इसलिए उन्होंने जोर से पुकारा**

योना 1:14 (#2)

"तब उन्होंने" - **"को पुकारकर कहा, "हे यहोवा"**

इसलिए पुरुषों ने ऊँची आवाज से यहोवा से प्रार्थना की

योना 1:14 (#3)

"हम विनती करते हैं"

इस संदर्भ में, **अह!** गहरी हताशा को दर्शाता है। अपनी भाषा के लिए इस भावना का सबसे स्वाभाविक तरीके से प्रतिनिधित्व करें।

देखें: विस्मयादिबोधक

योना 1:14 (#4)

"यहोवा" - **"हम विनती करते हैं, इस पुरुष के प्राण के बदले हमारा नाश न हो"**

हे यहोवा, कृपया इस पुरुष की मृत्यु के कारण हमें मत नाश कर या **हे यहोवा, भले ही हम इसकी मृत्यु का कारण बनने जा रहे हैं, कृपया हमें मत मार**

योना 1:14 (#5)

"और न हमें निर्दोष की हत्या का दोषी ठहरा"

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है ""हमें निर्दोष व्यक्ति की हत्या का दोषी न समझ।"" वैकल्पिक अनुवाद: ""और कृपया उसकी मृत्यु के लिए हम दोषी न ठहराए जाएँ "" या ""और हमें उस व्यक्ति को मारने के लिए जिम्मेदार न ठहरा, जो मरने के योग्य नहीं था""

देखें: मुहावरा

योना 1:14 (#6)

"हे यहोवा, जो कुछ तेरी इच्छा थी वही तूने किया है"

** हे यहोवा, जो कुछ तेरी इच्छा थी वही तू ने किया है** या **हे यहोवा, तूने ही यह सब कुछ होने दिया है**

योना 1:14 (#6)

"हम विनती करते हैं, कि इस पुरुष के प्राण के बदले हमारा नाश न हो, और न हमें निर्दोष की हत्या का दोषी ठहरा"

इन दोनों वाक्यांशों का मूलतः एक ही अर्थ है। दूसरा वाक्यांश, अलग-अलग शब्दों का उपयोग करके उसी विचार को दोहराकर, पहले वाक्यांश के अर्थ पर ज़ोर देता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ सकते हैं ताकि यह दर्शाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले वाक्यांश को दोहरा

रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम विनती करते हैं, कि इस पुरुष के प्राण के बदले हमारा नाश न हो, अर्थात, हमें निर्दोष की हत्या का दोषी न ठहरा"

देखें: समानांतरता

योना 1:15 (#1)

"और समुद्र की भयानक लहरें थम गईं"

समुद्र की भयानक लहरें थम गईं

योना 1:15 (#2)

"और समुद्र की भयानक लहरें थम गईं"

"इसे सकारात्मक कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""समुद्र शान्त हो गया"""

योना 1:15 (#2)

"और समुद्र की भयानक लहरें थम गईं"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस दोहरे नकारात्मक शब्द का अनुवाद करने के लिए सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक शब्द **थम गईं** और **भयानक** शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और समुद्र शान्त हो गया"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

योना 1:16 (#1)

"तब उन मनुष्यों ने यहोवा का बहुत ही भय माना"

तब वे लोग यहोवा की सामर्थ्य से बहुत भयभीत हो गए या **तब उन लोगों ने बड़े भय से यहोवा को भेंट चढ़ाई**

योना 1:16 (#2)

"और उसको भेंट चढ़ाई और मन्नतें मानीं"

यहाँ, **भेंट चढ़ाई** और **मन्नतें मानीं** दोनों में, विचारों पर ज़ोर देने के लिए एक ही मूल से आने वाली क्रिया और कर्म का प्रयोग किया गया है। आप यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में भी इसी संरचना का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर को दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उसको बलिदान चढ़ाया और उससे मन्नतें मानीं"

देखें: कविता

योना 1:17 (#1)

""

General Information:\n\nकुछ संस्करण इस पद को अध्याय 2 के पहले पद के रूप में अंकित करते हैं। आप अपनी भाषा समूह द्वारा उपयोग किए जाने वाले मुख्य संस्करण के अनुसार पदों को अंकित कर सकते हैं।

योना 1:17 (#2)

"यहोवा ने एक महा मच्छ ठहराया था योना को निगल ले"

"यह खंड कहानी के अगले भाग का परिचय देता है, जहाँ यहोवा योना को समुद्र से बचाता है, जब योना प्रार्थना करता है। इस संदर्भ में, कहानी का एक नया हिस्सा पेश करने के लिए अंग्रेजी में ""अब"" शब्द का उपयोग किया जाता है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

योना 1:17 (#3)

"तीन दिन और तीन रात"

"शायद यह अभिव्यक्ति इब्रानी भाषा में ""कुछ दिनों"" या ""कुछ दिन"" या कुछ इसी तरह का एक मुहावरा है, लेकिन यह अनिश्चित है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तीन दिन और तीन रात"""

देखें: मुहावरा

योना - अध्याय 2 परिचय

योना 2 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय योना की प्रार्थना से शुरू होता है, और कई अनुवादकों ने इसकी पंक्तियों को शेष पाठ की तुलना में पृष्ठ पर दाईं ओर रखकर इसे अलग पहचान देने का विकल्प चुना है। इसके अलावा, प्रार्थना कविता की शैली में है। इसे दर्शाने के लिए, कई अनुवाद प्रत्येक पंक्ति को अलग-अलग पंक्ति पर रखते हैं। अनुवादक इस पद्धति का पालन कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करने के लिए वे बाध्य नहीं हैं। आप अपने क्षेत्र में

एक प्रसिद्ध अनुवाद के प्रारूप का अनुसरण करना चाह सकते हैं।

इस अध्याय की मुख्य अवधारणाएँ

समुद्र

इस अध्याय में समुद्र का वर्णन करने वाले कई शब्द शामिल हैं। यदि आपकी भाषा बोलने वाले लोग समुद्र से अपरिचित हैं, तो आपको इन चीजों का वर्णन कैसे किया जाए, इस पर चर्चा करनी होगी। (देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें)

इस अध्याय में महत्वपूर्ण अलंकार

काव्यात्मक कल्पना

पवित्रशास्त्र में प्रार्थनाएँ अक्सर कविता के रूप में प्रस्तुत की जाती हैं। कविता अक्सर रूपकों और अन्य चित्रों का उपयोग करती है ताकि अत्यंत भावनात्मक विषयों को अधिक प्रभावशाली ढंग से संप्रेषित किया जा सके। उदाहरण के लिए, योना ने सोचा कि वह समुद्र में एक महा मच्छ के भीतर मर जाएंगे, और इसलिए वह वहाँ फंसे होने की तुलना पृथ्वी की सलाखों से घिरे होने और "अधोलोक के गर्भ" में होने से करते हैं। योना समुद्र की गहराई से अभिभूत हैं और इसे "पहाड़ों के आधार" पर होने की बात करके व्यक्त करते हैं। (देखें: रूपक)

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद चुनौतियाँ

समानांतरता

इब्रानी कविता अक्सर एक पंक्ति में कुछ व्यक्त करती है और फिर उसी विचार को दूसरी पंक्ति में अलग शब्दों का उपयोग करके व्यक्त करती है। यह समानांतरता पंक्तियों में विचारों पर जोर देती है। उदाहरण के लिए, पद 2 के दो हिस्से मूल रूप से एक ही बात कह रहे हैं।

मैंने अपनी पीड़ा में यहोवा को पुकारा, और उन्होंने मुझे उत्तर दिया; अधोलोक के गर्भ से मैंने पुकारा; आपने मेरी आवाज़ सुनी।

प्रत्येक आधे भाग में भी दो भाग होते हैं। प्रत्येक आधे भाग का पहला भाग वही बात कहता है जो दूसरा कहता है, और प्रत्येक आधे भाग का दूसरा भाग भी वही बात कहता है जो दूसरा कहता है। यदि आपकी भाषा कविता में इस तरह के विचारों को नहीं दोहराती है, तो इस प्रकार की कविता का अनुवाद कैसे करें, इसके लिए देखें: समानांतरता।

योना 2:1 (#1)

"परमेश्वर यहोवा"

इसका अर्थ है **यहोवा, परमेश्वर की उसने उपासना की**। शब्द **अपने** का अर्थ यह नहीं है कि योना का परमेश्वर उसका निजी परमेश्वर था।

योना 2:2 (#1)

""

योना ने कहा

योना 2:2 (#2)

""मैंने संकट में पड़े हुए यहोवा की दुहाई दी,"

"यह पंक्ति मछली के पेट में योना के अनुभव और प्रार्थना का वर्णन करते हुए एक काव्य की शुरुआत करती है। काव्य उस सटीक शब्द को नहीं देता जो उस समय योना ने प्रार्थना की थी क्योंकि काव्य पाठ बाद में लिखा गया था, मछली में योना के अनुभव, उसकी प्रार्थना और परमेश्वर के उत्तर का वर्णन करते हुए जैसे कि वे पहले ही बीत चुका था। काव्य की इस पहली पंक्ति को दो तरीकों में से एक में समझा जा सकता है: या तो प्रार्थना के वर्णन के रूप में यहोवा को संबोधित किया जा रहा है; या प्रार्थना के वर्णन के परिचय के रूप में किसी अन्य व्यक्ति को संबोधित किया जा रहा है। ""मुक्ति यहोवा ही से होती है !"" वाक्यांश से संबंधित नोट [2:9] में (../02/09/jdrh) में भी देखें।

देखें: काव्य

योना 2:2 (#3)

"मैंने संकट में पड़े हुए यहोवा की दुहाई दी"

मैंने अपनी बड़ी मुसीबत के समय यहोवा से प्रार्थना की या **यहोवा, मैंने अपने संकट के समय तुझे पुकारा**

योना 2:2 (#4)

"और उसने मेरी सुन ली"

यहोवा ने मेरी सुनी या **उसने मेरी मदद की** या **तूने मुझे उत्तर दिया**

योना 2:2 (#5)

"अधोलोक के उदर में से"

अधोलोक में से या **अधोलोक की गहराई में से**। संभव अर्थों में सम्मिलित: 1) योना मछली के पेट में होने की बात इस तरह कह रहा है जैसे कि अधोलोक में है; या 2) योना ने माना कि वह मरने वाला है और अधोलोक में जाने वाला था; या 3) वह इस रीति से व्याख्यान कर रहा था जैसे कि वह मर चूका है और अधोलोक में चला गया हो।

देखें: रूपक

योना 2:2 (#6)

"अधोलोक के"

"**पताल** उस जगह का नाम था जहाँ लोग मरने के बाद जाते थे। इसे धरती के नीचे कहीं एक अँधेरे से भरा संसार माना जाता था । नए नियम के समकक्ष ""अधोलोक"" प्रतीत होता है, जहाँ मृतक न्याय की प्रतीक्षा करते हैं (देखें प्रकाशितवाक्य 20:13)। यदि आपकी भाषा में इस स्थान के लिए एक शब्द है, तो आप इसे यहाँ उपयोग करना चाहते हैं, या शब्द ""पताल"" को ले सकते हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

योना 2:2 (#7)

"और तूने मेरी सुन ली"

"इस वाक्यांश का संभव अर्थ शाब्दिक और प्रतीकात्मक है। वाक्यांश का शाब्दिक अर्थ है कि जब वह मछली के पेट में प्रार्थना कर रहा था तब यहोवा ने योना की सुनी। यद्यपि, पुराने नियम में ""किसी की आवाज़ सुनने के लिए"" वाक्यांश का अर्थ अक्सर ""सुनना और पालन करना"" होता है (अनुपालन)। इस संदर्भ में, योना व्यक्त कर रहा है कि यहोवा ने उसकी सुनी और उसे बचाने का उपाय किया।

देखें: मुहावरा

योना 2:2 (#5)

"मैंने संकट में पड़े हुए यहोवा की दुहाई दी, और उसने मेरी सुन ली है; अधोलोक के उदर में से मैं चिल्ला उठा, और तूने मेरी सुन ली"

इस पद के दोनों हिस्सों का अर्थ मूलतः एक ही है। दूसरा हिस्सा उसी विचार को अलग-अलग शब्दों में दोहराकर पहले हिस्से के अर्थ पर ज़ोर देता है। अगर यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को इस तरह से जोड़ सकते हैं कि लगे कि दूसरा वाक्यांश पहले वाले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने

संकट में पड़े हुए यहोवा की दुहाई दी, और उसने मेरी सुन ली है; अर्थात, अधोलोक के उदर में से मैं चिल्ला उठा, और तूने मेरी सुन ली"

देखें: समानांतरता

योना 2:3 (#1)

"समुद्र की थाह तक"

"यहाँ शब्द **बीच में** किसी के ""अंदर"" होने के लिए एक रूपक है। वाक्यांश ""के बीच में"" का अर्थ है ""मध्य में"" या ""पूरी तरह से समुद्र के पानी से घिरा हुआ""। वैकल्पिक अनुवाद: ""समुद्र के बीच में""

योना 2:3 (#2)

"और मैं धाराओं के बीच में पड़ा था"

समुद्र का पानी मेरे ऊपर से बह गया

योना 2:3 (#3)

"तेरी" - "तरंग और लहरें"

"ये दोनों महासागर की सतह की खलल हैं। उन्हें एक शब्द में जोड़ा जा सकता है, जैसे ""लहरें""

देखें: युग्म

योना 2:3 (#2)

"समुद्र"

यहाँ, योना विचार को प्रबल करने के लिए समुद्र का उल्लेख बहुवचन **समुद्र** के रूप में करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप एकवचन का प्रयोग कर सकते हैं और विचार को दूसरे तरीके से तीव्र कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विशाल महासागर"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

योना 2:3 (#5)

"तेरी सब तरंग और लहरें"

यहाँ, योना **तेरी** का उपयोग **तरंग** और **लहरों** का वर्णन करने के लिए कर रहा है क्योंकि वे परमेश्वर द्वारा उत्पन्न की गई थीं। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग नहीं

होता, तो आप इसे अधिक स्वाभाविक तरीके से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तेरे द्वारा बनाई गई सब तरंग और लहरें"

देखें: स्वामित्व

योना 2:4 (#1)

"तब मैंने"

"इस अभिव्यक्ति से पता चलता है कि यहोवा की कार्यवाहियों के बीच एक विरोधाभास है, जिसके विषय योना ने बात की थी, और उसकी अपनी प्रतिक्रिया। वैकल्पिक अनुवाद: ""तब मैं ने""

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

योना 2:4 (#2)

"मैं" - "निकाल दिया गया हूँ"

"इसे सक्रिय रूप में कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तूने मुझे सामने से निकाल दिया""

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

योना 2:4 (#3)

"तेरे सामने से"

"यहाँ **आँखें** एक रूपक है जिसका अर्थ देखना, और देखना, परमेश्वर के ध्यान, नोटिस और ध्यान का एक रूपक है। वैकल्पिक अनुवाद: ""तेरे सामने से"" या ""आपकी उपस्थिति से"" या ""जहाँ तू मुझ पर ध्यान नहीं करता""

देखें: प्रतिन्यास

योना 2:4 (#4)

"कैसे मैं तेरे पवित्र मन्दिर की ओर फिर ताकूँगा"

योना को अभी भी आशा है कि, सब कुछ होने के बाद भी, परमेश्वर उसे यरूशलेम में मन्दिर को फिर से देखने की अनुमति देगा।

योना 2:4 (#4)

(मगर) "कैसे मैं तेरे"

मूल भाषा में यहाँ इस वाक्य में "मगर" शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिंदी आई.आर.वि. में इस शब्द का उपयोग नहीं हुआ है। यहाँ, **मगर** शब्द योना के परमेश्वर से दूर जाने और मन्दिर को फिर से देखने की उसकी आशा के बीच एक विरोधाभास को दर्शाता है। अपने अनुवाद में, इस विरोधाभास को अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें। वैकल्पिक अनुवाद: "तो भी"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

योना 2:5 (#1)

""मैं जल से यहाँ तक घिरा हुआ था कि मेरे प्राण निकले जाते थे;"

योना अपनी स्थिति की गंभीरता और निराशा को व्यक्त करने के लिए दो समान वाक्यांशों का उपयोग करता है।

देखें: समांतरता

योना 2:5 (#2)

"जल से"

यहाँ **जल** समुद्र को दर्शाता है।

योना 2:5 (#3)

"यहाँ तक" - "कि मेरे प्राण निकले जाते थे"

"यहाँ इब्रानी शब्द **प्राण** का अर्थ संभव **मेरा जीवन** या **मेरी गर्दन** या **मेरी आत्मा** है। किसी भी परिस्थिति में, जल उसकी जीवनलीला को समाप्त करने के लिए भयसूचक था। वैकल्पिक अनुवाद: ""मेरी गर्दन तक"" या ""जहाँ तक मेरा प्राण है""

योना 2:5 (#4)

"गहरा सागर मेरे चारों ओर था"

गहरा जल मेरे चारों ओर था

योना 2:5 (#5)

"सिवार"

समुद्री सिवार समुद्र में उगने वाली घास है

योना 2:6 (#1)

"मैं सदा के लिये भूमि में बन्द हो गया था"

"यहाँ योना पृथ्वी से कैद की तुलना करने के लिए अलंकार का उपयोग करता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""पृथ्वी एक कैद की तरह थी जो मुझे हमेशा के लिए बंद करने वाली थी"""

देखें: रूपक

योना 2:6 (#2)

"तो भी" - "तूने मेरे प्राणों को गड्ढे में से उठाया है"

"यहाँ ** गड्ढा ** शब्द के दो संभावित अर्थ हैं: 1) यह एक भूमि के नीचे बहुत गहरे स्थान या पानी के नीचे के स्थान का विवरण का तरीका हो सकता है या 2) यह एक अलंकार हो सकता है जिसका अर्थ है मृतकों का स्थान

देखें: रूपक

योना 2:6 (#3)

"हे मेरे परमेश्वर यहोवा"

कुछ भाषाओं में, वाक्य की शुरुआत में या शब्द ** आप ** के आगे इसे रखना अधिक स्वाभाविक हो सकता है।

योना 2:6 (#2)

"मेरे प्राणों"

यहाँ, **प्राण** योना का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे अस्तित्व को गड्ढे में से जीवित"

देखें: लक्षणालंकार

योना 2:6 (#5)

"मेरे परमेश्वर"

यहाँ, योना **मेरे** का उपयोग **परमेश्वर** का वर्णन करने के लिए कर रहा है। यदि आपकी भाषा में इसके लिए स्वामित्व रूप उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अधिक स्वाभाविक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जिसका मैं हूँ"

देखें: स्वामित्व

योना 2:7 (#1)

"जब मैं मूर्छा खाने लगा"

"यह वाक्यांश का अर्थ ऐसा हो सकता है: 1) योना ने यहोवा को स्मरण किया ठीक उसी समय जब वह मरने पर था, या 2) योना ने बचाए जाने की आशा छोड़ दी थी और स्वयं को इस तथ्य से संतुष्ट कर लिया था कि वह मर जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: ""जब मेरा प्राण निकलने पर था"" या ""जब मेरा प्राण मूर्छा में था"""

देखें: जोड़ें — समकालिक समय संबंध

योना 2:7 (#2)

""मैंने यहोवा को स्मरण किया;"

"चूंकि योना यहोवा से प्रार्थना कर रहा था, इसलिए यह कहने के लिए कुछ भाषाओं में अधिक स्पष्ट हो सकता है कि ""यहोवा, मैंने तेरे विषय में सोचा"" या ""मैंने यहोवा को स्मरण किया।"""

योना 2:7 (#3)

"मेरी प्रार्थना तेरे पास तेरे पवित्र मन्दिर में पहुँच गई"

"योना बोलता है जैसे कि उसकी प्रार्थना परमेश्वर और उसके मन्दिर की यात्रा कर सकती है। इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुनी और उस पर प्रतिक्रिया दी। वैकल्पिक अनुवाद: ""फिर तू अपने पवित्र मन्दिर में मेरी प्रार्थना सुनें"""

देखें: रूपक

योना 2:7 (#4)

"तेरे पवित्र मन्दिर"

"यहाँ ""पवित्र मन्दिर"" शब्द का शाब्दिक अर्थ या अलंकारिक अर्थ हो सकता है, या शायद दोनों। योना यरूशलेम में शाब्दिक मन्दिर के बारे में बोल रहा होगा, या वह स्वर्ग में परमेश्वर के निवास स्थान के बारे में बोल रहा होगा। यूएसटी देखें।

देखें: प्रतिन्यास

योना 2:7 (#3)

"मैंने यहोवा को स्मरण किया"

योना यहाँ तृतीय पुरुष में यहोवा के बारे में बात करना शुरू करता है और फिर बाकी प्रार्थना में द्वितीय पुरुष में उनसे बात करना जारी रखता है। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं होगा, तो आप यहाँ द्वितीय पुरुष के रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब हे यहोवा, मैंने तुझे स्मरण किया"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

योना 2:8 (#1)

""

यहाँ इब्री शब्द **मेरी आत्मा** का अर्थ **मेरा जीवन ** भी हो सकता है।

योना 2:8 (#2)

"जो लोग व्यर्थ"

"यहाँ ""व्यर्थ देवता"" शब्द संभवतः झूठे देवताओं की मूर्तियों को वर्णन करने के लिए एक मुहावरा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""जो व्यर्थ मूर्तियों पर ध्यान देते हैं"" या ""जो व्यर्थ देवताओं पर ध्यान देते हैं""

देखें: मुहावरा

योना 2:8 (#3)

"करुणानिधान को छोड़"

"यहाँ, **वाचा की विश्वासयोग्यता** 1) परमेश्वर की विश्वासयोग्यता या 2) लोगों की विश्वासयोग्यता को संदर्भित कर सकती है । इसलिए, इसका अर्थ यह 1) हो सकता है ""आपको अस्वीकार कर रहे हैं, वह उनके प्रति विश्वासयोग्य होगा"" या 2) ""आपके लिए अपनी प्रतिबद्धता को छोड़ रहे हैं""""

योना 2:9 (#1)

"परन्तु मैं"

"इस अभिव्यक्ति से यह पता लगता है कि योना में और जिन लोगों के विषय उसने बात की थी, उनके बीच एक अन्तर है। उन्होंने व्यर्थ देवताओं पर ध्यान दिया, लेकिन योना यहोवा की आराधना करता था। वैकल्पिक अनुवाद: ""लेकिन मैं""

देखें: जोड़ें — विरोध संबंध

योना 2:9 (#2)

"शब्द से धन्यवाद करके तुझे बलिदान चढ़ाऊँगा"

इस वाक्यांश का शायद यह अर्थ है कि योना परमेश्वर का धन्यवाद करेगा जब उसने उसे एक बलिदान चढ़ाया। यह स्पष्ट नहीं है कि योना ने गीत के द्वारा या आनन्द से चिल्लाकर परमेश्वर को धन्यवाद देने की योजना बनाई।

योना 2:9 (#3)

"उद्धार यहोवा ही से"

"कविता की इस अंतिम पंक्ति को दो में से एक तरीके से समझा जा सकता है: या तो 1) यहोवा को प्रार्थना के वर्णन के हिस्से के रूप में संबोधित किया जा सकता है; या 2) प्रार्थना के वर्णन के निष्कर्ष के रूप में किसी अन्य व्यक्ति को संबोधित किया जा रहा है। 2:2.में वाक्यांश ""मैं अपने संकट में यहोवा को पुकारता हूँ"" के विषय में भी देखें।"

योना 2:9 (#4)

"उद्धार यहोवा ही से"

"इसे पुन: प्रस्तुत किया जा सकता है ताकि भाववाचक संज्ञा **उद्धार** को क्रिया **बचाने** के रूप में व्यक्त किया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह वही है जो लोगों को बचाता है""

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

योना 2:9 (#4)

"उद्धार यहोवा ही से होता है"

यहाँ योना यहोवा से अपनी प्रार्थना के एक भाग के रूप में तृतीय पुरुष में यहोवा के बारे में एक कथन कहता है। यदि यह आपकी भाषा में स्वाभाविक नहीं लगता, तो आप इसे द्वितीय पुरुष के रूप में बनाने के लिए "आप" जोड़ सकते हैं। 2:2 में वाक्यांश "मैंने संकट में पड़े हुए यहोवा की दुहाई दी ..." के बारे में टिप्पणी को भी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "हे यहोवा, उद्धार तुझसे ही होता है"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

योना 2:10 (#1)

"स्थल पर"

भूमि पर या **किनारे पर**

योना 2:10 (#1)

"और यहोवा ने महा मच्छ को आज्ञा दी"

यहोवा ने आज्ञा दी उसका सार योना को उगलने का आदेश था। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहोवा ने महा मच्छ को आज्ञा दी कि वह योना को स्थल पर उगल दे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

योना 2:10 (#2)

"और यहोवा ने महा मच्छ को आज्ञा दी"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे एक प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहोवा ने महा मच्छ को आज्ञा दी, 'योना को स्थल पर उगल दे'"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

योना - अध्याय 3 परिचय

"# योना 3 सामान्य नोट्स

संरचना और स्वरूपण

यह अध्याय योना की कथा पर लौटता है।

इस अध्याय में विशेष अवधारणाएँ

पशु

राजा की घोषणा के अनुसार, पशुओं को उस उपवास में भाग लेना था जो उन्होंने आदेशित किया था। यह असामान्य था और संभवतः यह दर्शाता है कि राजा चाहते थे कि परमेश्वर देखें कि पूरा नीनवे उनकी विनाश की घोषणा को बहुत गंभीरता से ले रहा है। व्यवस्था में ऐसा कुछ नहीं है जो लोगों को उनके जानवरों को उपवास में भाग लेने के लिए निर्देशित करता हो। (देखें: मूसा की व्यवस्था)

परमेश्वर का मन फिराना या नरम पड़ना

इस अध्याय की अंतिम पंक्ति कहती है, "जब परमेश्वर ने उनके कामों को देखा, कि वे कुमार्ग से फिर रहे हैं, तब परमेश्वर ने नरमी दिखाई, और उनकी जो हानि करने की ठानी थी, उसको न किया।" परमेश्वर के विचार बदलने की यह अवधारणा इस तथ्य के साथ असंगत लग सकती है कि परमेश्वर का चरित्र और उनकी योजनाएँ अपरिवर्तनीय हैं।

हालांकि, परमेश्वर के दण्ड या करुणा के कार्य मनुष्यों के कार्यों पर निर्भर करते हैं। परमेश्वर अक्सर अपने दण्ड को करुणा में बदल देते हैं जब मनुष्य अपने पापों से मन फिराते हैं, क्योंकि वे दयालु होना पसंद करते हैं। चूंकि नीनवे के लोगों ने पश्चाताप किया, परमेश्वर ने उस दण्ड को पूरा नहीं किया जिसे उन्होंने योना को घोषित करने को कहा था, और योना ने इसे मनुष्यों के तरीके से "नरमी दिखाना" या कुछ संस्करणों में "अपने मन को बदलना" के रूप में वर्णित किया। पाठक समझते है कि प्रारंभ से ही यहीं परमेश्वर की योजना थी।

परमेश्वर की ओर से बुराई की योजना

आई.आर.वि. में "बुराई" के रूप में अनुवादित इब्रानी शब्द बहुत व्यापक है, जिसमें नैतिक बुराई, शारीरिक बुराई, और हर वह चीज़ शामिल है जो बुरी है। इसलिए पद 10 में, लेखक परमेश्वर की नीनवे के विनाश की योजना के लिए वही शब्द का उपयोग करते हैं जैसा कि उन्होंने लोगों के बुरे व्यवहार के लिए किया था। आई.आर.वि. इन सभी उपयोगों का अनुवाद "बुराई" के रूप में करता है ताकि उपयोगकर्ता को दिखाया जा सके कि प्रत्येक स्थान पर यह वही इब्रानी शब्द है। एक ही शब्द का उपयोग करके, लेखक दिखा रहे हैं कि जब लोग नैतिक बुराई से मन फिराते हैं, तो परमेश्वर शारीरिक बुराई (दण्ड) करने से रुक जाते हैं। परमेश्वर कभी भी नैतिक बुराई नहीं करते। यदि आपकी भाषा इन दोनों के लिए एक ही शब्द का उपयोग नहीं करेगी, तो आप उनके लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना चाहेंगे।

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद की चुनौतियाँ

नीनवे का आकार

प्राचीन शहर नीनवे के खंडहर जो खोजे गए हैं, लगभग 8 मील या 13 किलोमीटर के आसपास हैं। इसलिए, हालांकि नीनवे प्राचीन संसार में एक बहुत बड़ा शहर था, यह अधिकांश आधुनिक शहरों जितना बड़ा नहीं था। नीनवे का वर्णन "तीन दिनों की यात्रा" के रूप में किया गया है, जिसका अर्थ यह प्रतीत होता है कि इसे पार करने में तीन दिन लगते थे, हालांकि यह समय उस आकार के शहर को पार करने के लिए आवश्यक समय से अधिक लगता है। बेशक, यह कई कारणों पर निर्भर करता है: एक व्यक्ति इस यात्रा के दौरान शहर में क्या कर रहा है, और यह कि शहर की दीवारों के बाहर व्यापक बस्तियाँ हो सकती थीं। इसके अलावा, दिया गया समय शायद केवल एक सामान्य अनुमान है। अनुवादकों को केवल पाठ का अनुवाद करना चाहिए और इसे आधुनिक पुरातत्वविदों के विचारों के साथ मेल कराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए कि वे प्राचीन नीनवे और इसके माध्यम से चलने वाले लोगों के बारे में क्या जानते हैं।

परमेश्वर के लिए एक महान नगर

आई.आर.वि. में पद तीन नीनवे का वर्णन करता है “एक शहर जो परमेश्वर के लिए महान है।” इब्रानी में, जब कुछ कहा जाता है कि यह "परमेश्वर के लिए" या "परमेश्वर का" है, तो यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि यह उस चीज़ का एक अत्यधिक उदाहरण है। उदाहरण के लिए, उत्पत्ति 30:8 में, राहेल अपनी बहन के साथ हुए संघर्ष को “परमेश्वर का संघर्ष” कहती हैं, जिसका अर्थ है “एक पराक्रमी संघर्ष” या “एक अत्यंत कठिन संघर्ष।” बाइबल में इस मुहावरे के अन्य उदाहरण उत्पत्ति 23:6, निर्गमन 9:28, 1 शमूएल 14:15, भजन संहिता 36:6, और भजन संहिता 80:10 में पाए जाते हैं। योना 3:3 में, यह मुहावरा संभवतः यह दर्शाता है कि नीनवे एक अत्यंत बड़ा शहर था। देखें कि आपके क्षेत्र में सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली बाइबल में इसे कैसे अनुवादित किया गया है। आप यह जानना चाहेंगे कि उन्होंने इस मुहावरे का अनुवाद किस प्रकार किया है।"

योना 3:1 (#1)

"यहोवा यह वचन" - "पहुँचा"

यह वाक्यांश योना की कहानी के दूसरे आधे हिस्से का परिचय देता है। वही वाक्यांश कहानी के पहले भाग (1:1) का परिचय देता है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

योना 3:1 (#2)

"यहोवा यह वचन" - "पहुँचा"

"यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि यहोवा ने किसी तरह से अपने संदेश को बोला या संवाद किया.. देखें कि आपने 1:1में इसका अनुवाद कैसे किया । वैकल्पिक अनुवाद: ""यहोवा ने अपना संदेश सुनाया""

देखें: मुहावरा

योना 3:2 (#1)

"उठकर बड़े नगर नीनवे को जा"

बड़े और महत्वपूर्ण शहर नीनवे को जा

योना 3:2 (#2)

"उठकर"

उठ कर एक मुहावरा है कि योना को इस से प्रेरित होकर अगले आदेश का पालन करना है जो इस प्रकार से है “जा।” देखें आपने 1:2 और 1:3 में इसका अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

योना 3:2 (#3)

"जो बात मैं तुझ से कहूँगा, उसमें प्रचार कर"

जो मैंने तुझे उन्हें बताने को कहा है वहाँ के लोगों को बता

योना 3:3 (#1)

"तब योना यहोवा के वचन के अनुसार नीनवे को गया"

"यहाँ शब्द **गया** का अर्थ है कि योना ने परमेश्वर की आज्ञा के उत्तर में कार्यवाही की, और इस बार उसने अवज्ञा करने के बजाय आज्ञा मानी। वैकल्पिक अनुवाद: **इस बार योना ने यहोवा की बात मानी और नीनवे को चला गया** या ""तो योना समुद्र किनारे से नीनवे को चला गया, जैसा यहोवा ने उसे आज्ञा दी थी""

देखें: मुहावरा

योना 3:3 (#2)

"यहोवा के वचन के अनुसार"

यहोवा का संदेश या **यहोवा की आज्ञा**

देखें: प्रतिन्यास

योना 3:3 (#3)

"नीनवे एक बहुत बड़ा नगर था, तीन दिन की यात्रा का था"

यह वाक्य नीनवे शहर के विषय में पृष्ठभूमि की जानकारी देता है।

देखें: पृष्ठभूमि जानकारी

योना 3:3 (#4)

"बहुत बड़ा नगर था"

यह एक मुहावरे है जिसका अर्थ यह है कि यह शहर बहुत बड़ा है और संसार के सबसे बड़े शहरों में से एक है।

देखें: मुहावरा

योना 3:3 (#5)

"तीन दिन की यात्रा का था"

"ऐसा प्रतीत होता है कि एक व्यक्ति को शहर के एक तरफ से पूरी तरह विपरीत दिशा में जाने के लिए तीन दिनों तक चलना पड़ता था। इसका अर्थ यह भी हो सकता है कि पूरा शहर घूमने में तीन दिन लग गए। वैकल्पिक अनुवाद: ""एक शहर इतना बड़ा था कि एक व्यक्ति को उसका भ्रमण करने में तीन दिन लगेंगे""

देखें: मुहावरा

योना 3:4 (#1)

"और योना नगर प्रवेश करके एक दिन की यात्रा पूरी की, और यह प्रचार करता गया"

इस वाक्यांश के दो संभावित अर्थ हैं: 1) योना ने शहर में प्रवेश करके एक दिन की यात्रा पूरी की, तब उसने प्रचार करना शुरू किया; या 2) जब योना पहले दिन नगर से गुजर रहा था, तो उसने प्रचार करना शुरू कर दिया।

योना 3:4 (#2)

"और यह प्रचार करता गया"

और उसने घोषणा की या **और वह चिल्लाया**

योना 3:4 (#3)

"अब से चालीस दिन"

40 दिनों के बाद या **40 दिनों में 40 दिन शेष रह गए, और**

योना 3:4 (#4)

"चालीस दिन"

चालीस दिन

देखें: संख्या

योना 3:4 (#4)

"नीनवे उलट दिया जाएगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यदि आपको यह बताना है कि कार्य कौन करेगा, तो संदर्भ से स्पष्ट है कि यह परमेश्वर करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर नीनवे को उलट देंगें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

योना 3:5 (#1)

"और उपवास का प्रचार किया गया"

लोगों ने परमेश्वर या दोनों को पछतावे या भक्ति प्रकट करने हेतु उपवास रखा।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

योना 3:5 (#2)

"और" - "टाट ओढ़ा"

"लोगों द्वारा टाट ओढ़ने का कारण अधिक स्पष्ट रूप से बताया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वे यह दिखाने के लिए मोटे कपड़े को ओढ़ते हैं कि उन्हें पाप करने का पछतावा है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 3:5 (#3)

"बड़े से लेकर छोटे तक सभी ने"

सबसे बड़े से लेकर छोटे तक सभों ने या **सभी महत्वपूर्ण लोगों और सभी महत्वहीन लोगों सहित**

योना 3:5 (#1)

"नीनवे के मनुष्यों"

मूल भाषा में "पुरुष" शब्द का उपयोग किया गया है पर हिंदी आई.आर.वी. में "मनुष्यों" शब्द का उपयोग हुआ है। हालांकि **मनुष्यों** शब्द पुल्लिंग है, यहाँ इसका एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक ऐसा वाक्यांश उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नीनवे के पुरुष और स्त्रियों"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

योना 3:6 (#1)

"यह समाचार"

योना का संदेश

योना 3:6 (#2)

"और उसने सिंहासन पर से उठ"

वह अपने सिंहासन से उठ गया या **वह अपने सिंहासन से उठ खड़ा हुआ**। राजा ने यह दिखाने के लिए अपना सिंहासन छोड़ दिया कि वह विनम्रतापूर्वक काम कर रहा है।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

योना 3:6 (#3)

"सिंहासन पर से"

एक सिंहासन एक विशेष कुर्सी होती है जिस पर एक राजा अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करते समय बैठता है। यह केवल राजा के लिए आरक्षित होती है।

योना 3:6 (#4)

"राख पर बैठ गया"

राख में बैठना विनम्रता और दुःख प्रकट करने का एक तरीका था। इस घटना में, यह दिखाना था कि उसे अपने पाप के लिए कितना अधिक पछतावा है।

देखें: प्रतीकात्मक क्रिया

योना 3:7 (#1)

"ढिंढोरा"

उसने एक आधिकारिक घोषणा की, जिसमें कहा गया कि या **उसने अपने प्रधानों को घोषणा करने के लिए भेजा**

योना 3:7 (#2)

"राजा ने अपने प्रधानों से"

राजा और उसके अधिकारियों के पूर्ण अधिकार के साथ एक आदेश

योना 3:7 (#3)

""

शब्द ** कुलीन ** में महत्वपूर्ण पुरुषों का उल्लेख है जिन्होंने राजा को शहर पर शासन करने में सहायता दी।

योना 3:7 (#4)

"क्या गाय-बैल, क्या भेड़-बकरी"

"यह दो प्रकार के जानवरों को संदर्भित करता है जिनकी लोग देखभाल करते हैं। एक 'झुण्ड' बड़े पशुधन (जैसे बैलों या मवेशियों) से मिलकर बना होता है और एक 'झुण्ड' छोटे पशुधन (जैसे भेड़ या बकरियों) से मिलकर बनता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""मवेशी या भेड़""""

योना 3:7 (#5)

"न खाएँ और न पानी पीएँ"

उन्हें कुछ भी खाना पीना नहीं चाहिए। वह कारण कि वे कुछ भी नहीं खा रहे थे या पी रहे थे इसे **बता कर स्पष्ट किया जा सकता है कि उन्हें अपने पापों के लिए पछतावा था**.

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 3:7 (#2)

"राजा ने... ढिंढोरा पिटवाया"

तात्पर्य यह है कि राजा ने यह ढिंढोरा पीटने के लिए दूत भेजे थे। यदि यह जानकारी आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप इसे शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "राजा ने अपने दूतों को ढिंढोरा पीटने का आदेश दिया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

योना 3:8 (#1)

"और पशु"

यहाँ **जानवर** शब्द उन जानवरों को संदर्भित करता है जो लोग घरों में रखते हैं।

योना 3:8 (#2)

"वे परमेश्वर की दुहाई चिल्ला-चिल्लाकर दें"

"**और उन्हें गंभीरता के साथ परमेश्वर से प्रार्थना करनी चाहिए**। लोगों को किस बात के लिए प्रार्थना करनी है इसे स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और उन्हें चिल्ला चिल्लाकर परमेश्वर की दोहाई देनी चाहिए और परमेश्वर से दया माँगनी चाहिए""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 3:8 (#3)

"उस उपद्रव" - "जो" - "करते हैं"

"यहाँ ** करते ** एक रूपक है जो काम करने के लिए उपनाम है। यह उस हिंसा को संदर्भित करता है जिसे नीनवे के लोग कर रहे थे। वैकल्पिक अनुवाद: ""हिंसक चीजें जो उसने की हैं""

योना 3:8 (#3)

"और वे ... दुहाई चिल्ला चिल्लाकर दें"

सर्वनाम **वे** संभवतः लोगों की ओर संकेत करता है, न कि पशुओं की ओर। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप इस जानकारी को शामिल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और लोगों को... दुहाई चिल्ला चिल्लाकर देनी चाहिए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

योना 3:9 (#1)

"सम्भव है"

"राजा ने इस भाषणगत् प्रश्न का उपयोग लोगों को उस बात के बारे में सोचने के लिए किया जो संभव है, परन्तु अनिश्चित है कि यदि वे पाप करना बंद कर देंगे, तो हो सकता है कि परमेश्वर उन्हें घात न करे । इसे एक कथन के रूप में अनुवादित किया जा सकता है: ""हम नहीं जानते""। या इसे एक शब्द के रूप में कहा जा सकता है और अगले वाक्य का हिस्सा हो सकता है: ""शायद""।

देखें: आलंकारिक प्रश्न

योना 3:9 (#2)

"परमेश्वर दया करे बदल दे"

"यहाँ लेखक न्याय के विषय में परमेश्वर के द्वारा अपने मन को बदलने की बात इस तरह करता है जैसे कि मानो परमेश्वर अपने मार्ग को छोड़ विपरीत दिशा में चल रहा था। वैकल्पिक अनुवाद: ""इसके स्थान पर परमेश्वर ने करुणा को चुना"" या ""परमेश्वर ने जो कहा वह उसके विपरीत कर सकता है और दयावान हो सकता है""

देखें: रूपक

योना 3:9 (#3)

"भड़का हुआ कोप"

"यहाँ ** भड़का हुआ कोप ** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है कि व्यक्ति गुस्से में है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अपने क्रोध से""

देखें: मुहावरा

योना 3:9 (#4)

"हम नाश होने"

और हम नहीं मरेंगे

योना 3:10 (#1)

"जब परमेश्वर ने उनके कामों को देखा, कि वे कुमार्ग फिर रहे हैं"

परमेश्वर ने देखा कि उन्होंने बुरे काम करना बंद कर दिया

योना 3:10 (#2)

"वे कुमार्ग फिर रहे हैं"

यहाँ लेखक लोगों को अपने पाप से फिरने के बारे में बोलता है जैसे कि उन्होंने बुराई के रास्ते पर चलने से पलट कर और विपरीत दिशा में चलना शुरू कर दिया हो ।

देखें: रूपक

योना 3:10 (#3)

"तब परमेश्वर ने अपनी इच्छा बदल दी," - "हानि"

"यहां ""कुमार्ग"" के रूप में अनुवादित शब्द बहुत व्यापक है, जिसमें नैतिक बुराई, शारीरिक बुराई और वह सब कुछ है जो बुरा है। यह एक ही शब्द है जिसका उपयोग पिछले वाक्य (और पद 8) में किया गया है ताकि नीनवे के लोगों के कामों

का वर्णन किया जा सके। लेखक विवरण दे रहा है कि जब लोग नैतिक बुराई से पश्चाताप करते हैं, तो परमेश्वर शारीरिक दण्ड (सजा) देने में नरम हो जाता है। परमेश्वर कभी नैतिक बुराई नहीं करता। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट है, तो आप दोनों वाक्यों में एक ही शब्द का उपयोग कर सकते हैं। यदि यह स्पष्ट नहीं है, तो आप विभिन्न शब्दों का उपयोग कर सकते हैं।"

योना 3:10 (#4)

"उसको न किया"

"परमेश्वर ने जो नहीं किया उसे स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और उसने उन्हें दण्डित नहीं किया"" या ""और उसने उन्हें नष्ट नहीं किया""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 3:10 (#4)

"हानि"

यहाँ लेखक विशेषण **हानि** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि किसी दुष्ट चीज़ का उल्लेख किया जा सके। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस शब्द का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हानि की चीज" या "वह भयानक कार्य"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

योना - अध्याय 4 परिचय

योना 4 सामान्य टिप्पणियाँ

संरचना और स्वरूपण

योना की कथा को जारी रखते हुए पुस्तक को एक असामान्य निष्कर्ष पर लाया गया है, जो इसे परमेश्वर के एक प्रश्न के साथ समाप्त करता है। यह इस बात पर जोर देता है कि पुस्तक वास्तव में योना के बारे में नहीं है। यह परमेश्वर की इस इच्छा के बारे में है कि वे सभी के प्रति दयालु हों, चाहे वे यहूदी हों या अन्यजाति। (देखें: करुणा)

इस अध्याय में मुख्य अवधारणाएँ

भविष्यद्वाणी में विलंब

व्यवस्था के अनुसार, एक भविष्यद्वक्ता को वही भविष्यद्वाणी करनी चाहिए जो यहोवा उन्हें बताते हैं, और उनके शब्द पूर्ण होने चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता, तो दंड मृत्यु था, क्योंकि वह अपूर्ण भविष्यद्वाणी दिखाती है कि वह व्यक्ति एक वास्तविक भविष्यद्वक्ता नहीं था। लेकिन जब योना ने नीनवे के शहर से कहा कि यह 40 दिनों में नष्ट हो जाएगा, तो उस समय ऐसा नहीं हुआ। इसका कारण यह है कि परमेश्वर करुनामय होने का अधिकार रखते हैं। (देखें: भविष्यद्वक्ता और मूसा की व्यवस्था)

योना का क्रोध

जब परमेश्वर ने नीनवे को नष्ट नहीं किया, तो योना परमेश्वर से नाराज हो गए क्योंकि योना नीनवे के लोगों से घृणा करते थे। वे इस्राएल के शत्रु थे। लेकिन परमेश्वर चाहते थे कि योना और इस पुस्तक के पाठक यह सीखें कि परमेश्वर सभी लोगों से प्रेम करते हैं।

परमेश्वर की विशेषताएँ

पद 2 में, योना परमेश्वर को कई विशेषताएँ प्रदान करते हैं। इस पुस्तक के एक यहूदी पाठक को यह पहचानने में देर नहीं लगेगी कि यह वही वर्णन है जो परमेश्वर ने मूसा से सीनै पर्वत पर बात करते समय अपने बारे में किया था (देखें निर्गमन 34:6–7)।

परमेश्वर का अनुग्रह

जब योना शहर के बाहर गए, तो उन्हें बहुत गर्मी लगी; परमेश्वर ने कृपापूर्वक पौधे के माध्यम से कुछ राहत प्रदान की। परमेश्वर इस उदाहरण के माध्यम से योना को यह सिखाने का प्रयास कर रहे थे कि वह एक दयालु परमेश्वर है। (देखें: अनुग्रह)

इस अध्याय में महत्वपूर्ण अलंकार

आलंकारिक प्रश्न

इस अध्याय में, योना एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग करते हैं यह दिखाने के लिए कि वे यहोवा से कितने नाराज हैं। यहोवा फिर तीन अलंकारिक प्रश्नों की एक श्रृंखला का उपयोग करते हैं योना को यह सिखाने के लिए कि उन्हें किस प्रकार का स्वभाव अपनाना चाहिए। यदि आपकी भाषा इन उद्देश्यों के लिए अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग नहीं करती है, तो एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। (देखें: अलंकारिक प्रश्न)

इस अध्याय में अन्य संभावित अनुवाद की चुनौतियाँ

बुराई

आई.आर.वि. में "बुराई" के रूप में अनुवादित इब्रानी शब्द बहुत व्यापक है, जिसमें नैतिक बुराई, शारीरिक बुराई, और हर वह चीज शामिल है जो बुरी है। परमेश्वर कभी नैतिक बुराई

नहीं करते। पद 1 में, लेखक कहते हैं कि योना ने नीनवे के लोगों को बचाने में परमेश्वर की करुणा के कार्य को बुराई माना। पद 2 में, योना परमेश्वर को "दुःख देने से प्रसन्न नहीं होता" के रूप में वर्णित करते हैं। पद 6 में, योना की स्थिति और दृष्टिकोण को बुराई के रूप में वर्णित किया गया है। यह तब है जब नीनवे के निवासियों के कार्यों को 1:2, 3:8, और 3:10 में बुराई के रूप में वर्णित किया गया है, और नाविकों की स्थिति को 1:7 में। आई.आर.वि. प्रत्येक स्थान पर शब्द को "बुराई" के रूप में अनुवादित करता है ताकि उस विडंबना को दिखाया जा सके जिसे लेखक पुस्तक में प्रत्येक अलग बुरी चीज़ और एक अच्छी चीज़—परमेश्वर की करुणा नीनवे पर (योना के दृष्टिकोण से) के लिए एक ही इब्रानी शब्द का उपयोग करके व्यक्त करना चाहते हैं। यदि आपकी भाषा नैतिक और शारीरिक बुराई के लिए एक ही शब्द का उपयोग नहीं करेगी, तो आप प्रत्येक के लिए अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना चाहेंगे।

योना 4:1 (#1)

"यह बात योना को बहुत ही बुरी लगी, उसका क्रोध भड़का"

यह वाक्य कहानी के अगले भाग का परिचय देता है जहाँ योना परमेश्वर को नीनवे शहर को बचाने के लिए प्रतिक्रिया देता है।

देखें: नए घटनाक्रम का परिचय

योना 4:1 (#2)

"उसका क्रोध भड़का"

"यह एक मुहावरा है जो योना के क्रोध की बात करता है जैसे कि उसके अन्दर आग जल रही थी। वैकल्पिक अनुवाद: ""और वह बहुत क्रोधित था""

देखें: मुहावरा

योना 4:1 (#2)

"यह बात... बहुत ही बुरी लगी"

सर्वनाम **यह** इस तथ्य को संदर्भित करता है कि परमेश्वर ने नीनवे को नाश नहीं किया। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट नहीं है, तो आप यहाँ यह कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बात कि परमेश्वर ने नीनवे को बचा लिया, ... बुरी लगी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

योना 4:1 (#3)

"यह बात योना को बहुत ही बुरी लगी"

यहाँ, **यह बात योना को बहुत ही बुरी लगी** एक जोरदार निर्माण है जो एक क्रिया और उसके कर्म का उपयोग करता है जो दोनों एक ही मूल से आते हैं। आप अपनी भाषा में यहाँ अर्थ को व्यक्त करने के लिए उसी निर्माण का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह बात योना को अत्यधिक बुरी लगी"

देखें: कविता

योना 4:2 (#1)

"हे"

इस संदर्भ में, शब्द **आह!** गहन निराशा को दर्शाता है। अपनी भाषा के लिए इस भावना का सबसे स्वाभाविक तरीके से प्रतिनिधित्व करें।

देखें: विस्मयादिबोधक

योना 4:2 (#2)

"यहोवा जब मैं अपने देश में था, क्या" - "यही बात न कहता था"

"योना ने परमेश्वर को यह बताने के लिए इस भाषणगत् प्रश्न का उपयोग किया कि वह कितना क्रोधित था। यदि यह अधिक स्पष्ट है, तो इसे एक कथन में प्रस्तुत किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""आह, यहोवा, जब मैं अपने देश में था तब मैंने यही तो कहा था!""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

योना 4:2 (#3)

"यहोवा जब मैं अपने देश में था, क्या" - "यही बात न कहता था"

"जब योना अपने देश में था, तब जो बात उसने कही थी इसे स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""हे यहोवा, जब मैं अपने देश में ही था तो मुझे पता था कि यदि मैंने नीनवे के लोगों को चेतावनी दी, तो वे पश्चाताप करेंगे, और आप उन्हें नष्ट नहीं करेंगे।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 4:2 (#4)

"विलम्ब से कोप करनेवाला"

"यह एक मुहावरे का अर्थ है कि यहोवा शीघ्र क्रोध नहीं करता l वैकल्पिक अनुवाद: ""क्रोध में धीमा"" या ""धीरजवन्त""

देखें: मुहावरा

योना 4:2 (#5)

"करुणानिधान है"

और बहुत विश्वासयोग्य या **और तू लोगों को बहुत प्रेम करता है**

योना 4:2 (#6)

"मैं" - **"दुःख देने से प्रसन्न नहीं होता"**

"यहाँ, **दुख** का तात्पर्य नीनवे शहर और उसके लोगों के भौतिक विनाश से है। इसमें नैतिक बुराई का वर्णन नहीं है। इस संदर्भ में, इस वाक्यांश का अर्थ है कि परमेश्वर पाप करने वाले लोगों के साथ बुरा व्यवहार करने में पछतावा महसूस करता है और जब पापी लोग अपने पाप के लिए पश्चाताप करते हैं तो वह अपना मन बदल लेता है। इस अस्पष्ट जानकारी को स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""और तू पापियों के विनाश के बारे में दुःख महसूस करता है"" या ""और तू पश्चाताप करने वाले पापियों को दण्डित नहीं करने का निर्णय लेता है""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 4:3 (#1)

"मेरा प्राण ले ले"

"योना के मरने की इच्छा के कारण को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""चूँकि तूने जैसा कहा था कि नीनवे को नष्ट करूँगा वैसा नहीं किया इसलिए मुझे मरने दे""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 4:3 (#2)

"क्योंकि मेरे लिये जीवित रहने से मरना ही भला है"

मेरे लिए जीवित रहने से मरना भला है या **क्योंकि मैं मरना चाहता हूँ। मैं जीना नही चाहता**

योना 4:4 (#1)

"तेरा जो क्रोध भड़का है, क्या वह उचित है"

"यह एक मुहावरा है जो योना के क्रोध की बात करता है जैसे कि वह उसके अन्दर आग जलाने वाला हो। देखें कि आपने 4:1 में इसका अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या तेरे लिए इस विषय में क्रोधित होना सही है?""

देखें: मुहावरा

योना 4:4 (#2)

"तेरा जो क्रोध भड़का है, क्या वह उचित है"

"योना के क्रोध का कारण स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या तेरे लिए क्रोधित होना सही है कि मैंने नीनवे को नष्ट नहीं किया?""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 4:4 (#3)

"तेरा जो क्रोध भड़का है, क्या वह उचित है"

यहोवा प्रश्न के माध्यम से योना को यह सिखा रहे हैं कि उसका क्रोधित होना उचित नहीं है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए प्रश्न रूप का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप इसे एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उचित नहीं है कि यह तेरे क्रोध को भड़काता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

योना 4:5 (#1)

"योना उस नगर से निकलकर"

तब योना ने नीनवे के शहर को छोड़ दिया

योना 4:5 (#2)

"नगर का क्या होगा"

"योना यह देखना चाहता था कि परमेश्वर शहर को नष्ट करेगा या नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: ""शहर का क्या होगा"" या ""परमेश्वर शहर का क्या करेगा"""

योना 4:6 (#1)

"योना के सिर पर छाया हो"

छाया के लिए योना के सिर पर

योना 4:6 (#2)

"उसका दुःख दूर हो"

"यहाँ ""बुराई"" शब्द का अर्थ दो बातें (या एक ही समय में दोनों) हो सकता है: 1) ""बेचैनी"" या ""संकट"", जिसका अर्थ है, योना के सिर पर चमकते सूर्य की तीव्र गर्मी; या 2) ""गलत,"" जिसका अर्थ है कि परमेश्वर के नीनवे को नष्ट न करने के निर्णय के बारे में योना का गलत व्यवहार। यदि दोनों अर्थों को संरक्षित किया जा सकता है, तो यह बेहतर है। यदि नहीं, तो आप एक वैकल्पिक अनुवाद चुन सकते हैं: "योना को सूर्य की गर्मी से बचाने के लिए" या "योना को उसके गलत व्यवहार से बचाने के लिए""

योना 4:6 (#3)

"योना ... बहुत ही आनन्दित हुआ"

यहाँ, **बहुत ही आनन्दित हुआ** एक ज़ोरदार रचना है जिसमें क्रिया और कर्म दोनों एक ही मूल से आते हैं। आप यहाँ अर्थ व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में भी इसी रचना का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपकी भाषा में जोर दिखाने का कोई अन्य तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और योना... अत्यधिक प्रसन्न हुआ"

देखें: कविता

योना 4:7 (#1)

"परमेश्वर ने एक कीड़े को भेजा"

तब परमेश्वर ने एक कीड़ा भेजा

योना 4:7 (#2)

"जिस ने रेंड़ का पेड़ ऐसा काटा कि"

और कीड़ा पौधे को चबाता है

योना 4:7 (#3)

"वह सूख गया"

"पौधा सूख कर मर गया। वैकल्पिक अनुवाद: ""जिससे कि पौधा मर गया"""

योना 4:8 (#1)

"जब सूर्य उगा"

सूर्य का उगना पृष्ठभूमि की जानकारी है जो समय देती है जब पूर्व से गर्म हवा बहने लगती है। अपनी भाषा में इस संबंध को स्वाभाविक तरीके से व्यक्त करें।

देखें: जोड़ें — पृष्ठभूमि जानकारी

योना 4:8 (#2)

"परमेश्वर ने पुरवाई बहाकर लू चलाई"

"परमेश्वर ने योना पर चलाने के लिए पूर्व से एक गर्म हवा को भेजा। यदि आपकी भाषा में ""हवा"" का अर्थ केवल ठण्डी या बर्फीली हवा हो सकता है, इसलिए आप इस वैकल्पिक अनुवाद को उपयोग कर सकते हैं: ""परमेश्वर ने पूर्व से योना के लिए बहुत गर्म हवा भेजी थी।""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 4:8 (#3)

"और धूप" - "ऐसे लगी"

सूर्य अत्याधिक तेज था

योना 4:8 (#4)

"योना के सिर पर"

"इस वाक्यांश का शाब्दिक अर्थ या अलंकारिक अर्थ हो सकता है। शायद योना ने अपने सिर पर सबसे अधिक गर्मी महसूस की, या शायद वाक्यांश ** योना का सिर ** एक पर्याय है जो योना के पूरे शरीर का अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: ""योना पर""

देखें: संकेतन

योना 4:8 (#5)

"कि वह मूर्छा खाने लगा"

और वह बहुत निर्बल हो गया या **और उसने अपनी ताकत खो दी**

योना 4:8 (#6)

"उसने यह कहकर मृत्यु मांगी"

"योना स्वयं से बात कर रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: ""वह चाहता था कि वह मर जाए"" या ""वह मरना चाहता था"""

योना 4:8 (#7)

"मेरे लिये जीवित रहने से मरना ही अच्छा है"

मैं जीने से मरना पसंद करूँगा या **मैं मरना चाहता हूँ। मैं जीना नहीं चाहता**। देखें कि आपने इसका अनुवाद 4:3में कैसे किया।

योना 4:9 (#1)

"तेरा क्रोध, जो रेंड़ के पेड़ के कारण भड़का है, क्या वह उचित है"

"इस संदर्भ में, परमेश्वर के प्रश्न का उद्देश्य योना से उसके स्वार्थी व्यवहार के बारे में निष्कर्ष निकालना है। इस अस्पष्ट जानकारी को स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""क्या तेरा उस पौधे के विषय में इतना क्रोधित होना उचित है जिसने तुझे मात्र छाया दी?""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 4:9 (#2)

"मेरा क्रोध भड़का है वह अच्छा ही है, वरन् मरना भी अच्छा होता"

मेरा क्रोध सही है। मैं इस क्रोध के कारण चाहे मर भी जाऊँ!

योना 4:9 (#2)

"तेरा क्रोध जो... भड़का है" - **"मेरा जो क्रोध भड़का है"**

वाक्यांश **तेरा क्रोध जो... भड़का है** और **मेरा जो क्रोध भड़का है** एक मुहावरे के उदाहरण हैं जो योना के क्रोध के बारे में इस तरह से बात करता है जैसे कि उसके अन्दर आग जल रही हो। देखें कि आपने इस मुहावरे का अनुवाद 4:1 में कैसे किया था।

देखें: मुहावरा

योना 4:10 (#1)

"यहोवा ने कहा"

"यहाँ यहोवा योना से बात कर रहा है। इस अस्पष्ट जानकारी को स्पष्ट किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: ""यहोवा ने योना से कहा""

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

योना 4:10 (#2)

""

"इस मुहावरे का अर्थ है कि यह पौधा कुछ समय के लिए ही अस्तित्व में था। वैकल्पिक अनुवाद: ""यह एक रात में बढ़ गया और अगले दिन नाश हो गया"" या ""यह तुरन्त बढ़ गया और तुरन्त नाश हो गया""

देखें: मुहावरा

योना 4:11 (#1)

"फिर" - **"मैं"**

यह अभिव्यक्ति, जैसा कि आपके लिए **पद 10 में** के रूप में है, पौधे के प्रति योना के व्यवहार और नीनवे के लोगों के प्रति यहोवा के व्यवहार के बीच तुलना को दर्शाता है। अपनी भाषा में इस तुलना को स्वाभाविक रूप से व्यक्त करें।

देखें: संयोजन शब्द और वाक्यांश

योना 4:11 (#2)

"फिर बड़ा नगर नीनवे, एक लाख बीस हजार से अधिक मनुष्य हैं, जो दाएँ-बाएँ हाथों का नहीं पहचानते, बहुत पशु उसमें रहते हैं, मैं पर तरस न खाऊँ"

"परमेश्वर ने अपने बयान पर जोर देने के लिए इस भाषणगत् प्रश्न का उपयोग किया कि उसे नीनवे पर दया करनी चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: ""मुझे नीनवे, उस बड़े शहर पर निश्चित रूप से दया करनी चाहिए, जिसमें 120,000 से अधिक लोग हैं जो अपने दाहिने हाथ और उनके बाएँ हाथ और कई मवेशियों के बीच अंतर नहीं कर सकते हैं।""

देखें: आलंकारिक प्रश्न

योना 4:11 (#3)

"से अधिक" - **"उसमें रहते हैं"**

इसे एक नए वाक्य की शुरुआत के रूप में भी अनुवादित किया जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: **से अधिक हैं** या **इसमें अधिक हैं**

योना 4:11 (#4)

"एक लाख बीस हजार" - **"मनुष्य हैं"**

एक लाख बीस हजार लोग

देखें: संख्या

योना 4:11 (#5)

"जो दाएँ-बाएँ हाथों का नहीं पहचानते"

इस मुहावरे का अर्थ है, **जो सही और गलत के बीच अंतर नहीं जानते**।

देखें: मुहावरा